# खोह-नागोरियान क्षेत्र में 5 अवैध पटाखा फैक्ट्री और गोदाम सील, भारी मात्रा में बारूद-कैमिकल बरामद

## पटाखा फैक्ट्री अग्निकांड में 8 मौतों के बाद जागा पुलिस प्रशासन, फरार आरोपियों की तलाश शुरू

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर** । खोह नागोरियान थाना क्षेत्र में अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण अग्निकांड में आठ लोगों की मौत के बाद पुलिस-प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। पुलिस ने इलाके में व्यापक सर्च अभियान चलाकर अब तक 5 अवैध पटाखा फैक्ट्री-गोदामों को सील किया है। बताया जा रहा है कि खोह नागोरियान, आयशा कॉलोनी और जावेद विहार क्षेत्र में अवैध पटाखा निर्माण और भंडारण स्थल मिले हैं। जहां पर भारी मात्रा में बारूद, पोटाश, केमिकल, पटाखों के खाली खोल तथा अन्य विस्फोटक सामग्री बरामद की गई। जावेद विहार स्थित फैक्ट्रियों से पटाखा निर्माण में उपयोग होने वाली दो मशीनें भी जब्त की हैं। पुलिस कार्रवाई के बाद क्षेत्र की कई अन्य अवैध फैक्ट्रियां बंद मिलीं।

### 5 फैक्ट्री-गोदाम सील, कई मुकदमे होंगे दर्ज

पुलिस ने बताया कि आयशा कॉलोनी स्थित मुख्य गोदाम के अलावा जावेद विहार में संचालित तीन अन्य गोदामों सहित कुल पांच अवैध फैक्ट्री-गोदामों को सील किया गया है। ये गोदाम मुख्य आरोपी याकूब खान और उसके भतीजे कयूम खान से जुड़े बताए जा रहे हैं। विभिन्न स्थानों से अवैध विस्फोटक सामग्री मिलने के कारण आरोपियों के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम सहित अन्य गंभीर धाराओं में एक से अधिक प्रकरण दर्ज किए जाएंगे।

### भू-माफिया निकले मकान मालिक

जांच में सामने आया है कि जिस मकान में विस्फोट हुआ, उसके मालिक याकूब और कयूम रिश्ते में चाचा-भतीजा हैं। दोनों पर इलाके में जमीन कब्जाने के कई आरोप हैं और इनके खिलाफ पहले से भी मुकदमे दर्ज हैं। बताया जा रहा है कि सितंबर माह में एक महिला ने भी इनके खिलाफ मामला दर्ज कराया था, लेकिन उस पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

### एक मीटर से चल रही थी दो मकानों की बिजली

हादसे की जांच में एक और गंभीर तथ्य सामने आया है। याकूब और कयूम के दो अलग-अलग मकानों में एक ही बिजली मीटर से अवैध रूप से सप्लाई ली जा रही थी। इसी बिजली का उपयोग व्यावसायिक स्तर पर बारूद पीसने और पटाखे बनाने के लिए किया जा रहा था। इससे स्थानीय स्तर पर निगरानी व्यवस्था और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं।

### अग्निकांड के बाद सबूत मिटाने की कोशिश

घटनास्थल पर पहुंची एफएसएल टीम ने नमूने एकत्र कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि हादसे के बाद आरोपियों ने फैक्ट्री में लगे सीसीटीवी कैमरे और इंटरनेट राउटर तोड़कर सबूत मिटाने का प्रयास किया। जांच में यह भी पता चला है कि यहां शादियों और आयोजनों में उपयोग होने वाले 'कोल्ड फायर' पटाखों का निर्माण किया जा रहा था। मुख्य आरोपी ने करीम नगर-बी स्थित मकान संख्या 88 को बीच में दीवार खड़ी कर दो हिस्सों में बांट रखा था।

### दिल्ली का फिरोज चला रहा था अवैध फैक्ट्री

पुलिस जांच में सामने आया है कि करीम नगर-बी स्थित मकान याकूब पुत्र नजीर खान का है, जिसने इसे दिल्ली निवासी फिरोज को किराए पर दे रखा था। आरोप है कि फिरोज बिना किसी वैध अनुमति और सुरक्षा मानकों के यहां अवैध पटाखा फैक्ट्री संचालित कर रहा था। हादसे के बाद से फिरोज, याकूब खान और कयूम खान फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है।

### बिजली कनेक्शनों की जांच में जुटा विभाग

बिजली विभाग के सहायक अभियंता सुधीर कुमार चौधरी ने मौके का निरीक्षण कर बताया कि याकूब खान के नाम दो बिजली कनेक्शन दर्ज हैं। एक कनेक्शन घटना स्थल के पास जबकि दूसरा दाऊद नगर में है। दाऊद नगर स्थित मकान बंद मिला और वहां किसी प्रकार की औद्योगिक गतिविधि नहीं पाई गई।

### दिल्ली से आता था पटाखों का कच्चा माल

स्थानीय लोगों के अनुसार क्षेत्र में कई वर्षों से पटाखों के निर्माण और पैकिंग का अवैध कारोबार संचालित हो रहा था। इसके लिए कच्चा माल दिल्ली से ट्रकों के जरिए लाया जाता था। पुलिस ने आयशा कॉलोनी के कई घरों में भी छापेमारी की है, जहां घरेलू स्तर पर पटाखों की पैकिंग और निर्माण का काम किए जाने की आशंका है।

## थानाधिकारी समेत 9 पुलिसकर्मी सस्पैंड

**जयपुर** । जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने खोह-नागोरियान क्षेत्र में संचालित अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए अग्निकांड की घटना को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए प्रारंभिक जांच में लापरवाही के लिए जिम्मेदार पाए गए थानाधिकारी सहित 9 पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित (सस्पैंड) कर दिया है।

पुलिस कमिश्नर मित्तल ने बताया कि

- **जयपुर में अवैध विस्फोटक सामग्री और पटाखे रखने वालों की सघन जांच के आदेश**

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल

अंतरिम जांच रिपोर्ट के आधार पर थानाधिकारी खोह-नागोरियान ओमप्रकाश मातवा सहित हैड कांस्टेबल अशोक, रामावतार, दिनेश, आसिफ, हरेन्द्र और अशोक को निलंबित कर दिया है। साथ ही पुलिस उपायुक्त पूर्व रंजीता शर्मा ने भी घटना के तुरंत बाद एएसआई अमर सिंह और हेड कांस्टेबल पप्पू राम को सस्पेंड किया है।

पुलिस कमिश्नर मित्तल ने घटना की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं गहन जांच की जिम्मेदारी अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) अजय सिंह को सौंपी है। उनके निर्देशन में एक जांच समिति का गठन किया गया है, जो घटना के सभी पहलुओं, संबंधित अधिकारियों की भूमिका तथा सुरक्षा मानकों के अनुपालन की विस्तृत जांच कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों एवं अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस कमिश्नर ने जयपुर शहर में अवैध रूप से संचालित कारखानों, गोदामों, पटाखा भंडारण स्थलों का सर्वे-निरीक्षण करके रिपोर्ट पेश करने को कहा है, ताकि इन पर कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि थाना स्तर पर बीट अधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों के माध्यम से डोर-टू-डोर सर्वे कर अवैध रूप से संचालित विस्फोटक सामग्री एवं पटाखों के भंडारण स्थलों की पहचान की जाए।

### मंगलवार को विस्फोट में 8 लोगों की मौत हुई थी

गौरतलब है कि मंगलवार सुबह करीब 11 बजे हुए भीषण विस्फोट और आगजनी में एक बच्चे और दो सगे भाइयों सहित कुल आठ लोगों की मौत हो गई थी। हादसे के बाद प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठे थे। इसके बाद संबंधित पुलिसकर्मियों को निलंबित कर अवैध फैक्ट्रियों के खिलाफ विशेष अभियान शुरू किया गया। जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने कहा कि घनी आबादी वाले आवासीय क्षेत्र में यह गोदाम अवैध रूप से चल रहा था। फॉरेंसिक जांच के बाद मकान मालिक और इस धंधे से जुड़े सभी जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामले की जांच जारी है इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की भी पहचान की जा रही है।

## 140 करोड़ रुपए की 70 बीघा सरकारी भूमि अतिक्रमण मुक्त

**जयपुर** । जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अवैध कॉलोनियों एवं अतिक्रमणों के विरुद्ध व्यापक अभियान निरंतर जारी है। इसी क्रम में प्रवर्तन शाखा द्वारा बुधवार को विभिन्न जोनों में बड़ी कार्रवाई कर लगभग 140 करोड़ रुपये की 70 बीघा सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया तथा करीब 42 बीघा निजी खातेदारी भूमि पर विकसित की जा रही तीन नवीन अवैध कॉलोनियों को प्रारम्भिक स्तर पर ही पूर्णत: ध्वस्त कर दिया गया।

उप महानिरीक्षक पुलिस एवं मुख्य प्रवर्तन अधिकारी आनन्द शर्मा ने बताया कि जोन-10 क्षेत्र में ग्राम गोविन्दपुरा उर्फ रोपाडा, सुमेल एवं बगराना में स्थित लगभग 70 बीघा बेशकीमती चरागाह सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। इन स्थलों पर प्लॉटों की बाउंड्रीवाल, टीनशेडनुमा निर्माण, निर्माणाधीन ढांचे एवं अन्य अवैध निर्माणों को जेसीबी मशीनों एवं मजदूरों की सहायता से हटाया गया। मुक्त कराई गई भूमि का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 140 करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त जोन-12 के ग्राम सरना डूंगर में लगभग 10 बीघा, जोन-17 के ग्राम खोरा बिसल में लगभग 4 बीघा तथा जोन-19 के ग्राम बोराज, जोबनेर रोड पर लगभग 28 बीघा निजी खातेदारी भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन एवं बिना भू-रूपान्तरण के विकसित की जा रही नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त किया गया। इन स्थलों पर बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल की सडकें तथा अन्य अवैध निर्माणों को हटाकर अवैध कॉलोनियां बसाने के प्रयासों को विफल किया गया।

## सार-समाचार

### रंजिश और कब्जे के विवाद में फायरिंग

**जयपुर** । राजधानी जयपुर में बुधवार को आपसी रंजिश और कब्जे के विवाद को लेकर फायरिंग की घटना सामने आई है। घटना में शाहिद नामक युवक के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। घायल को तत्काल उपचार के लिए एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत खतरे से बाहर बताई है। पुलिस के अनुसार घायल शाहिद भट्टा बस्ती क्षेत्र का निवासी है। फायरिंग की यह घटना अशोक नगर थाना क्षेत्र में हुई। घटना की सूचना मिलते ही अशोक नगर थाना पुलिस और एसएमएस थाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा मामले की जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि फायरिंग के पीछे आपसी रंजिश और कब्जे को लेकर चल रहा विवाद कारण हो सकता है। पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पुलिस घटना में शामिल आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है। इसके लिए आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों और संबंधित लोगों से पूछताछ भी की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि मामले से जुड़े सभी तकनीकी और भौतिक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। जांच पूरी होने के बाद आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

### राष्ट्रीय गौ सम्मान संकल्प यात्रा रवाना

**जयपुर** । अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय गौ सम्मान संकल्प यात्रा "11 ज्योतिर्लिंग पीठाधीश्वर संवाद अभियान" श्रद्धा, उत्साह और जयघोष के वातावरण में रवाना हुई। यात्रा के शुभारंभ पर बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं एवं गौभक्तों ने यात्रा दल पर पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया तथा गौ संरक्षण एवं राष्ट्रहित के इस अभियान की सफलता के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। यात्रा की रवानगी से पूर्व सभी श्रद्धालुओं एवं यात्रा दल के सदस्यों ने टोंक रोड सांगानेर स्थित श्री पिंजरापोल गौशाला में भगवान काल भैरव की विधिवत पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। परिषद के अंतरराष्ट्रीय संयोजक डॉ. अतुल गुप्ता के नेतृत्व में निकली इस यात्रा में परिषद की संयुक्त सचिव मोनिका चतुर्वेदी गुप्ता सहित गौसेवा, कृषि, ग्रामीण विकास एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि शामिल हैं। 15 जून तक चलने वाली यह यात्रा देश के प्रमुख ज्योतिर्लिंगों, संतों और धर्माचार्यों से संवाद स्थापित कर राष्ट्रीय गौ सम्मान घोषणा-पत्र तैयार करेगी, जिसे केंद्र एवं राज्य सरकारों को सौंपा जाएगा। यात्रा के प्रमुख पडावों में महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग एवं कालभैरव मंदिर (उज्जैन), ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग, शिर्डी साईं बाबा समाधि मंदिर, त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, शनि शिंगणापुर तथा पंचवटी (नासिक) शामिल हैं। यात्रा के दौरान ज्योतिर्लिंग पीठाधीश्वरों, संत-महात्माओं, गौशाला संचालकों, कृषकों और सामाजिक संगठनों से संवाद कर गौ संरक्षण, गौ संवर्धन, प्राकृतिक कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक पुनर्जागरण से जुड़े सुझाव एकत्र किए जाएंगे। डॉ. अतुल गुप्ता ने कहा कि राष्ट्रीय गौ सम्मान संकल्प यात्रा का उद्देश्य गौमाता को राष्ट्रीय सांस्कृतिक धरोहर घोषित कराने के लिए जनमत तैयार करना, गौहत्या निषेध कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु राष्ट्रीय सहमति विकसित करना तथा गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस पहल करना है।

### कांग्रेस ने कृषि मंत्री से इस्तीफा मांगा

**जयपुर** । बीज कंपनियों के सैंपल पास कराने के बदले कथित रिश्वत लेने के मामले में एसीबी की कार्रवाई के बाद प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनके इस्तीफे की मांग की है। कांग्रेस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट जारी कर कहा कि अब सफाई देने का नहीं, बल्कि जवाबदेही तय करने का समय है। पार्टी ने कहा कि यदि मंत्री के पास नैतिकता बची है तो उन्हें तत्काल इस्तीफा देना चाहिए, अन्यथा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को उन्हें मंत्रिमंडल से बर्खास्त करना चाहिए। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सीकर में संदीप नामक व्यक्ति पर मंत्री के नाम से लाखों रुपए की उगाही करने के आरोप लगे थे और पुलिस ने उसे गिरफ्तार भी किया था। पार्टी का दावा है कि इसके बावजूद मंत्री उसके बचाव में सामने आए। कांग्रेस के अनुसार अब उसी व्यक्ति का नाम एसीबी जांच में है।

### हाऊसिंग बोर्ड की बैठक में हुए अहम निर्णय

**जयपुर** । राजस्थान आवासन मंडल की 255वीं बोर्ड बैठक एवं परियोजना समिति की 176वी बैठक बुधवार को मुख्यालय में हुई। यूडीएच के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं आवासन मंडल के अध्यक्ष आलोक गुप्ता की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में आवासीय विकास, आधारभूत संरचना विस्तार तथा जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। मंडल अध्यक्ष आलोक गुप्ता ने बताया कि उदयपुर की पानेरियों की मादड़ी आवासीय योजना में एलआईजी श्रेणी के 144 (जी3) फ्लैट्स के निर्माण कार्य के लिए 16.91 करोड़ रुपये तथा ईडब्ल्यूएस श्रेणी के 160 (जी3) फ्लैट्स निर्माण के लिए 14.82 करोड़ रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई। बाड़मेर-लंगेरा आवासीय योजना, जोधपुर में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 80 तथा अल्प आय वर्ग के 120 आवासों के निर्माण कार्य के लिए 14.84 करोड़ रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति को भी अनुमोदन दिया गया। परियोजना समिति की बैठक में प्रताप नगर जयपुर के सेक्टर-22 स्थित सामुदायिक केंद्र के संशोधित मानचित्र को अनुमोदित किया गया। अलवर की एन.ई.बी. विस्तार आवासीय योजना के सेक्टर-06 में ग्रुप हाउसिंग के लिए आरक्षित भूखंड पर एमआईजी-1 तथा एलआईजी श्रेणी के 64 फ्लैट्स के नियोजन को स्वीकृति दी गई। जयपुर की इंदिरा गांधी नगर आवासीय योजना के सेक्टर-09 में ग्रुप हाउसिंग के लिए आरक्षित ब्लॉक-ए एवं ब्लॉक-बी के पुनर्गठन के बाद एमआईजी-बी श्रेणी के 176 फ्लैट्स के भवन मानचित्र को मंजूर किया।

## ऑन डिमांड बाइक चोरी करने वाली गैंग के 5 बदमाश दबोचे

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर** । राजधानी में बढ़ती वाहन चोरी की वारदातों पर लगाम लगाने के लिए प्रताप नगर और बजाज नगर थाना पुलिस ने जिला विशेष टीम (डीएसटी) के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए ऑन डिमांड बाइक चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गिरोह के पांच शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर एक बाल अपचारी को निरुद्ध किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की 45 मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। पूछताछ में आरोपियों ने जयपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों से 60 से अधिक दोपहिया वाहन चोरी करना स्वीकार किया है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

डीसीपी (पूर्व) रंजीता शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में रणजीत भील (23) निवासी सुल्तानपुर, कोटा हाल शिवदासपुरा, विवेक कुमार उर्फ लाला मीणा (22) निवासी टोडाभीम जिला करौली, किरोड़ी मीणा (43), रामसिंह मीणा (37) और रामकेश मीणा (25) निवासी रैणी जिला अलवर शामिल हैं। गिरोह में शामिल एक नाबालिग को भी निरुद्ध किया गया है। डीसीपी (पूर्व) ने बताया कि प्रताप नगर थाना क्षेत्र में लगातार हो रही वाहन चोरी और नकबजनी की घटनाओं को देखते हुए थानाधिकारी पूरणमल यादव के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। वहीं बजाज नगर में थानाधिकारी रामधन डोभाल के नेतृत्व में अलग टीम बनाई गई। दोनों टीमों ने डीएसटी प्रभारी एसआई बन्ना लाल की टीम के साथ मिलकर 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और संदिग्धों की पहचान की। इसके बाद विभिन्न ठिकानों पर दबिश देकर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इंदिरा नगर क्षेत्र से किरोड़ी, रामसिंह और रामकेश को पकड़ा गया, जबकि प्रताप नगर क्षेत्र से विवेक और रणजीत को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी विवेक कुमार उर्फ लाला मीणा पिछले तीन वर्षों से खो नागोरियान थाने में दर्ज पॉक्सो एक्ट के मामले में फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 3 हजार रुपए का इनाम घोषित था। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पहले वाहन मालिकों और पार्किंग स्थलों की रेकी करते थे। इसके बाद मांग के अनुसार मोटरसाइकिल चोरी कर अन्य जिलों में मात्र 5 हजार रुपए तक में बेच देते थे।

## 'राजस्थान रिफाइनरी में इसी माह डीजल का उत्पादन'

### इस रिफायनरी के उत्पादों का अधिकतम उपयोग राजस्थान में ही सुनिश्चित करेंगे, ताकि प्रदेश में निवेश, रोजगार और राजस्व बढ़ेगा : मुख्य सचिव

**जयपुर** । मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा है कि एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी द्वारा रिफाइन डीजल, एलपीजी और पेट्रोल आदि उत्पादों का अधिकतम उपयोग राजस्थान में ही सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि प्रदेश में निवेश, रोजगार और राजस्व के नए अवसर विकसित हो सके। उन्होंने बताया कि राजस्थान रिफाइनरी से कच्चे तेल के परिस्करण के बाद डीजल का उत्पादन इसी माह से होने लगेगा। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास रिफाइनरी के उत्पादों के प्रदेश में ही विपणन नेटवर्क के संबंध में माइंस, पेट्रोलियम, सामान्य प्रशासन, गृह, ट्रांसपोर्ट, राजस्व सहित संबंधित विभागों और हिन्दुस्तान पेट्रोलियम रिफाइनरी के अधिकारियों की सचिवालय के चिंतन कक्ष में आयोजित बैठक को दिल्ली से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

**मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रिफाइनरी प्रोजेक्ट को लेकर प्रदेश के सरकारी विभागों व हिन्दुस्तान पेट्रोलियम रिफाइनरी के अधिकारियों की सचिवालय में हुई बैठक को दिल्ली से वर्चुअली संबोधित किया।**

उन्होंने कहा कि राजस्थान रिफाइनरी राजस्थान की प्रेस्टिजियस परियोजना है और इसमें राजस्थान सरकार की 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है। उन्होंने कहा कि रिफाइनरी शुरु होने पर सबसे पहले डीजल और एलपीजी का उत्पादन होगा। एक मोटे अनुमान के अनुसार राजस्थान रिफाइनरी से 4 मिलियन मेट्रिक टन डीजल सालाना परिसंस्करित होगा। उन्होंने रिफाइनरी के उत्पादों के राज्य में विपणन संभावनाओं को तलाशने और समन्वय के लिए अतिरिक्त मुख्य सचिव अपर्णा अरोरा की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति गठित करने के निर्देश दिए। समिति में हिन्दुस्तान पेट्रोलियम के निदेशक विपणन अमित गर्ग और संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाएगा।

श्रीनिवास ने कहा कि राजस्थान रिफाइनरी के उत्पादों का विपणन हिन्दुस्तान पेट्रोलियम द्वारा राज्य में आउटलेट खोलकर किया जा सकेगा। इसके साथ ही राज्य में स्टेट मोटर गैराज, राजस्थान पथ परिवहन विभाग, पुलिस, कारागाह, राजस्थान पर्यटन विभाग के होटल्स व जिला स्तर पर आरंभ में डीजल, पेट्रोल आदि से समन्वय बनाते हुए आउटलेट शुरु करने की संभावनाओं को तलाशा जाएगा। उन्होंने कहा कि जयपुर, जोधपुर और उदयपुर में मोटर गैराज के पीओएल वितरण केन्द्र है। इनके अलावा शेष जिलों के जिला कलक्टर पूल में पीओएल आउटलेट शुरु करने की संभावनाएं देखी जाएगी।

अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोरा ने बताया कि राजस्थान रिफाइनरी पूरी तरह से उत्पादन आरंभ होने पर 4 मिलियन टन सालाना डीजल, एक मिलियन टन सालाना पेट्रोल, एक मिलियन टन सालाना पॉलीप्रोपलिन सहित एलएलडीपीई, एचडीपीई, ब्यूटाडाइन, बेन्जीन, टोल्यूइन और सल्फर का उत्पादन होगा। रिफाइनरी के उत्पादों को राज्य में ही बाजार दिलाने के लिए संबंधित विभागों से समन्वय बनाया जाएगा। इसके अलावा करीब 300 पीओएल वितरण केन्द्र हिन्दुस्तान पेट्रोलियम द्वारा राज्य में खोल कर संचालित करना प्रस्तावित किया गया है।

## मणिपुर से राजस्थान आ रही 4.50 करोड़ रु. की अफीम जब्त

### राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने मुख्य तस्कर सहित दो बदमाशों को दबोचा

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर** । राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने नशे के खिलाफ अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए मणिपुर से राजस्थान लाई जा रही करीब 88.970 किलोग्राम अवैध अफीम की खेप जब्त की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी अनुमानित कीमत करीब 4.50 करोड़ रुपए बताई जा रही है। हरियाणा के सिरसा जिले में हरियाणा पुलिस के सहयोग से की गई इस कार्रवाई को हाल के वर्षों में एएनटीएफ की सबसे बड़ी और प्रभावशाली कार्रवाई माना जा रहा है।

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देश पर चलाए गए इस अभियान के तहत एएनटीएफ ने उत्तर-पूर्वी राज्यों से राजस्थान में पहुंच रही मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क पर तकनीकी निगरानी शुरू की थी। एएनटीएफ के महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि 'मणिपुर मॉड्यूल' पर कई महीनों तक काम करने के बाद पांच राज्यों में फैले तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश किया गया।

जांच के दौरान पाली निवासी सुखराम विश्नोई एएनटीएफ के रडार पर आया, जो

**राजस्थान पुलिस की ए.एन.टी.एफ. ने मणिपुर से राजस्थान लाई जा रही करीब 88.970 किलोग्राम अवैध अफीम जब्त की।**

- **आरोपियों ने ट्रक के नीचे बना था गुप्त तहखाना, इसी में छिपाकर लाते थे नशे की खेप**

लगातार मणिपुर और राजस्थान के बीच आवाजाही कर रहा था। एएनटीएफ की टीमें उसके पीछे लगी रहीं। जांच में सामने आया कि नशे की खेप का सौदा तय करने के बाद सुखराम लखनऊ पहुंचा और वहां से नैनीताल व कैंची धाम भी गया। इस दौरान एजेंसियां लगातार उसकी गतिविधियों पर नजर रखे हुए थीं।

जब सुखराम जयपुर की ओर बढ़ा तो एएनटीएफ ने उसे पकड़ लिया, लेकिन उसके वाहन से कोई मादक पदार्थ बरामद नहीं हुआ। पूछताछ और तकनीकी जांच में उसके रिसेट किए गए मोबाइल उपकरणों से एक संदिग्ध ट्रक के फास्टैग की जानकारी मिली। जांच में सामने आया कि उस ट्रक का फास्टैग भुगतान स्वयं सुखराम कर रहा था।

ट्रक मणिपुर से असम, पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश होते हुए हरियाणा पहुंच चुका था। इसी दौरान मुख्य सूत्रधार ने ट्रक चालक को कोड वर्ड में निर्देश देकर राजस्थान नहीं आने को कहा। इसके बाद ट्रक हरियाणा के सिरसा क्षेत्र में रुक गया।

आईजी विकास कुमार ने सिरसा एसपी दीपक सारण से संपर्क कर संयुक्त कार्रवाई की योजना बनाई। महिला निरीक्षक किरणजीत कौर के नेतृत्व में एएनटीएफ और हरियाणा पुलिस की टीम ने ट्रक को घेर लिया।

प्रारंभिक जांच में ट्रक खाली दिखाई दिया, लेकिन बारीकी से तलाशी लेने पर ट्रक के चेसिस के नीचे लोहे की प्लेटों और नट-बोल्ट से बनाया गया गुप्त तहखाना मिला।

इसे काटकर खोला गया तो उसमें से 95 पोटलियों में पैक 88.970 किलो अवैध अफीम बरामद हुई। मौके से पाली निवासी किशनाराम विश्नोई (44) को गिरफ्तार किया गया, जबकि मुख्य सूत्रधार सुखराम विश्नोई को हिरासत में लिया गया है। एएनटीएफ अब इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य तस्करों और सप्लाई चेन की जांच कर रही है। आईजी विकास कुमार ने बताया कि 36 घंटे तक लगातार निगरानी और कार्रवाई कर इस जटिल ऑपरेशन को सफल बनाने वाली महिला निरीक्षक किरणजीत कौर और उनकी टीम को एएनटीएफ मुख्यालय जयपुर में विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। पुलिस का कहना है कि राजस्थान को नशामुक्त बनाने के अभियान के तहत भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।